कक्षा : 4 हिन्दी

अध्ययन निष्पति	अध्ययन मुद्दे	सीखने-सिखाने की प्रक्रिया
1. अर्थग्रहण (श्रवण + वाचन)		
H401 हिन्दी के लिपि संकेतों को समझते हैं ।	• हिन्दी वर्णमाला का परिचय एवं समझ ।	• कक्षा में और कक्षा के बाहर मूर्त वस्तुओं के द्वारा लिपि संकेतों का परिचय करवाने के अवसर दिये जाय । • बच्चे लिपि संकेत बनाना शुरू करते हैं । भले ही उनके द्वारा बनाए गए अक्षरों मे सुघड़ता न हो । इसे कक्षा में स्वीकार किया जाए ।
H402 मातृभाषा तथा हिन्दी की वर्ण ध्वनियों के बीच का अंतर समझते हैं ।	• मातृभाषा तथा हिन्दी वर्णों के उच्चारण भेद की समझ ।	• मातृभाषा और हिन्दी की वर्ण ध्वनियों के बीच का अंतर मूर्त वस्तुएँ दिखाकर एवं उसके संदर्भ में उच्चारण करके अंतर स्पष्ट किया जाय ।
H403 परिचित शब्द, सरल वाक्य, बातचीत सुनकर एवं पढ़कर समझते हैं ।		
H403.1 परिचित शब्द सुनकर एवं पढ़कर समझते हैं ।	• 'शब्द' की श्रवण एवं वाचन के जरिए समझ ।	• परिचित शब्द सरल वाक्य,बातचीत का श्रवण एवं पठन करवाइए एवं उसके आधार चर्चा करवाइए ।
H403.2 सरल वाक्य सुनकर एवं पढ़कर समझते हैं ।	• 'सरल वाक्य' की श्रवण एवं वाचन के जरिए समझ ।	• परिचित शब्दों का श्रवण एवं वाचन के जरिए अभ्यास करवाइए । इस संदर्भ में शिक्षक शब्द कार्ड,चित्रकार्ड जैसी सामग्री का उपयोग कर सकते हैं ।
H403.3 बातचीत सुनकर एवं पढ़कर समझते हैं ।	• बातचीत की श्रवण एवं वाचन के जरिए समझ ।	• छपी हुई सामग्री का पठन,शब्द कार्ड को मिलाकर वाक्य बनाना, चित्र आधारित अनुमान लगाकर पढ़ने के अवसर प्रदान करना...जैसे अनुभव जोड़ी में या व्यक्तिगत दे सकते हैं । • शिक्षक–विद्यार्थी, छात्र-छात्र अपने बारे में या निजी अनुभव के बारे में एक-दूसरे से बातचीत करवा सकते हैं । • संवाद आधारित पाठ्य सामग्री का पठन करवाइए ।
H404 परिचित गद्य और पद्य सुनकर समझते हैं ।		
H404.01 परिचित गद्य सुनकर समझते हैं ।	• परिचित गद्य का श्रवण एवं अर्थग्रहण ।	• परिचित गद्य की विधाएँ शिक्षक द्वारा सुनकर समझने के अवसर प्रदान किए जाएँ ।

DRAFT

अध्ययन निष्पति		अध्ययन मुद्दे	सीखने-सिखाने की प्रक्रिया
	H404 02.परिचित पद्य सुनकर समझते हैं ।	• परिचित पद्य का श्रवण एवं अर्थग्रहण।	• परिचित पद्य की विधाएँ शिक्षक द्वारा सुनकर समझने के अवसर प्रदान किए जाएँ ।
H405	परिचित परिस्थितियों में सामान्य सूचनाओं को सुनकर और पढ़कर समझते हैं ।	• श्रवण एवं वाचन के जरिए सामान्य सूचनाओं की समझ ।	• परिचित परिस्थिति में सामान्य सूचनाओं (जैसे-सुनिए, गाइए, पढ़िए, लिखिए, किताब खोलिए, आइए, बैठिए आदि) को सुनकर और पढ़कर समझने के मौके प्रदान किए जाएँ ।
H406	'कौन','क्यों', 'कब' और 'कहाँ' वाले प्रश्नों को समझते हैं ।	• 'कौन','क्यों','कब' और 'कहाँ' वाले प्रश्नों का अर्थग्रहण ।	• प्रश्नसूचक शब्दों का उपयोग करके प्रश्न विधानों का श्रवण एवं कथन करवाइए । प्रश्नसूचक शब्दों का उपयोग करके प्रश्न का निर्माण करवाइए ।
H407	श्यामफ़लक, फ्लेशकार्ड, चार्ट आदि पर बड़े अक्षरों मे लिखित सामग्री को पढ़कर समझते हैं ।	• श्यामफ़लक, फ्लेशकार्ड, चार्ट आदि पर बड़े अक्षरों मे लिखित सामग्री का अर्थग्रहणयुक्त वाचन ।	• श्यामफ़लक, फ्लेशकार्ड, चार्ट आदि पर बड़े अक्षरों मे लिखित सामग्री को पढ़ने के अवसर प्रदान कीजिए ।
H408	1 से 20 तक के अंकों को सुनकर- पढ़कर समझते हैं ।	• 1 से 20 तक की गिनती का शब्दों और अंकों में उच्चारण एवं लेखन ।	• मूर्त वस्तुओं के जरिए नानाविध गतिविधियाँ करवाकर एक से बीस की गिनती सुनने और पढ़ने के अवसर प्रदान किये जाएँ । जैसे: ❖ अंककार्ड के जरिए गिनती सिखाने की प्रक्रिया । ❖ अंककार्ड और शब्दकार्ड जोड़ने की प्रवृत्ति ।
2. **अभिव्यक्ति (कथन + लेखन)** :			
H409	वर्णों का शुद्ध उच्चारण एवं लेखन करते हैं ।	• वर्णों का शुद्ध उच्चारण । • वर्णों का शुद्ध रूप से लेखन ।	• गतिविधियों के जरिए वर्ण, शब्द और वाक्य का शुद्ध रूप से उच्चारण करके लिखने के कई अवसर प्रदान किए जाएँ । जैसे: ❖ वर्णकार्ड एवं शब्दकार्ड द्वारा अभ्यास । ❖ मानक मोड़ में वर्ण लेखन का अभ्यास ।
H410	शब्द और सरल वाक्य का शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन करते हैं ।		• शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन ।
	H410.01 शब्द का शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन करते हैं ।	• शब्द का शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन।	• शब्द का शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन करवाने के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियाँ करवाइए । जैसे कि... शिक्षक द्वारा

DRAFT

अध्ययन निष्पति	**अध्ययन मुद्दे**	**सीखने-सिखाने की प्रक्रिया**
		शब्द का मानक उच्चारण । उच्चारण में भिन्नतावाले शब्द उदा. रिषि = ऋषि, आग्या = आज्ञा • मानक लिपि में लेखन कार्य हेतु शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन, यूथ अभ्यास एवं स्व-अध्ययन कार्य करवाइए ।
H410.02 सरल वाक्य का शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन करते हैं ।	• वाक्य का शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन ।	• वाक्य का शुद्ध रूप से उच्चारण एवं लेखन करवाने के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियाँ करवाइए ।
H411 परिचित विषय पर चार-पाँच वाक्य बोलते हैं ।	• परिचित विषय पर चार-पाँच वाक्यों में कथन ।	• परचित विषय पर बोलने के कक्षा में अवसर प्रदान किए जाएँ । जैसे : अनुभव जगत के विषय 'गाय', 'साइकिल', 'अपना परिचय' ।
H412 परिचित सरल गीत का सामूहिक गान करते हैं ।	• परिचित सरल गीत का सामूहिक गान कार्य ।	• परिचित सरल गीत का सामूहिक गान करने के कक्षा और कक्षा बाहर अवसर प्रदान किए जाएँ । जैसे : ❖ व्यक्तिगत एवं समूहगान प्रक्रिया ।
H413 सरल प्रश्नों के उत्तर देते हैं ।	• सरल प्रश्नोत्तर कार्य ।	• कक्षा में बच्चों को प्रश्न पूछने और उनके उत्तर देने के अवसर प्रदान कीजिए ।
H414 1 से 20 तक की गिनती शब्दों और अंकों में उच्चारण एवं लेखन करते हैं ।	• 1 से 20 तक की गिनती का शब्दों और अंकों में उच्चारण एवं लेखन ।	• 1 से 20 तक की गिनती शब्दों और अंकों में बोलने और लिखने के भिन्न-भिन्न अवसर प्रदान किए जाएँ ।
3.**सर्जनात्मकता** :		
H415 वर्णमाला का उपयोग करके शब्द बनाते हैं ।	• वर्णमाला का उपयोग करके शब्द निर्माण।	• वर्णमाला के उपयोग से अपनी भाषा गढने हेतु नए अर्थपूर्ण शब्द बनाने और उनका इस्तेमाल करने के अवसर प्रदान किए जाएँ ।
H416 चित्र का वर्णन करते हैं ।	• चित्र का निदर्शन • चित्र का मौखिक एवं लिखित वर्णन ।	• चित्र के आधार पर अनुमान लगाकर मौखिक एवं लिखित वर्णन करने के भिन्न-भिन्न अवसर प्रदान किए जाएँ । जैसे : ❖ चित्र दिखाकर प्रश्न पूछेंगे । ❖ चित्र वर्णन करवाइए ।
4. **व्यावहारिक उपयोजन**:		

DRAFT

अध्ययन निष्पति	**अध्ययन मुद्दे**	**सीखने-सिखाने की प्रक्रिया**
H417 सरल शब्दों का वाक्य में प्रयोग करते हैं ।	• सरल शब्दों का वाक्य में प्रयोग ।	• अपनी भाषा गढ़ने हेतु शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने के अवसर प्रदान किए जाएँ । जैसे : ❖ शब्द का उपयोग करके वाक्य बनाने की प्रक्रिया ।
H418 समानार्थी, विरुद्धार्थी शब्दों का वाक्य में प्रयोग करते हैं ।		
H418.01 समानार्थी शब्दों का वाक्य में प्रयोग करते हैं ।	• समानार्थी शब्दों की समझ एवं वाक्य में प्रयोग ।	• भिन्न-भिन्न प्रयुक्तिओं के द्वारा समानार्थी शब्दों की समझ दीजिए एवं उनका वाक्य में प्रयोग करने के मौके दिए जाएँ ।
H418.02 विरुद्धार्थी शब्दों का वाक्य में प्रयोग करते हैं ।	• विरुद्धार्थी शब्दों की समझ एवं वाक्य में प्रयोग ।	• भिन्न-भिन्न प्रयुक्तिओं के द्वारा विरुद्धार्थी शब्दों की समझ दीजिए एवं उनका वाक्य में प्रयोग करने के मौके दिए जाएँ ।
H419 लिंग और वचन को समझकर वाक्य में प्रयोग करते हैं ।		• लिंग और वचन को समझकर वाक्य में प्रयोग करने के कई अवसर दिए जाएँ । जैसे: ❖ लिंग और वचन की पहचान । ❖ लिंग और वचन का वाक्य में प्रयोग । ❖ लिंग (पुल्लिंग,स्त्रीलिंग) और वचन (एकवचन, बहुवचन) के प्रकार आधारित शब्दों को वर्गीकृत करवाइए ।
H419.01 लिंग को समझकर वाक्य में प्रयोग करते हैं ।	• लिंग को समझकर और उसका वाक्य में प्रयोग ।	
H419.02 वचन को समझकर वाक्य में प्रयोग करते हैं ।	• वचन को समझकर और उसका वाक्य में प्रयोग ।	
5. **तार्किक चिंतन**:		
H420 सूचना अनुसार अभिनय करते हैं ।	• क्रियावाचक शब्दों का अभिनय । • सूचना अनुसार अभिनय क्रिया ।	• सूचना समझकर अभिनय क्रिया करने के अवसर प्रदान किए जाएँ । जैसे : ❖ छात्र व्यक्तिगत क्रिया का अभिनय करेंगे । ❖ छात्र अभिनय देखकर क्रिया अपनी कापी में लिखेंगे ।
H421 आधे-अधूरे वाक्यों को पूरा करते हैं ।	• आधे-अधूरे वाक्यों का पूर्ण वाक्य बनाना।	• आधे-अधूरे वाक्यों को पूरा करने के कक्षा में अवसर किए जाएँ । जैसे : ❖ शब्दकार्ड का उपयोग करके वाक्य निर्माण ❖ रिक्तस्थान की पूर्ति

DRAFT

अध्ययन निष्पति	**अध्ययन मुद्दे**	**सीखने-सिखाने की प्रक्रिया**
H422 चित्र के आधार पर कहानी का वर्णन करते हैं ।	• चित्र के आधार पर कहानी का वर्णन ।	• चित्र के आधार पर कहानी का वर्णन करने के लिए कक्षा में और कक्षा के बाहर अवसर प्रदान किए जाएँ । जैसे: ❖ चित्र दिखाना । ❖ चित्र के बारे में प्रश्न पूछना । ❖ छात्र को चित्र के बारे में बोलने का अवसर देना ।
H423 श्रव्य या वाच्य सामग्री में से अंतर्निहित मूल्य (जैसे – प्राणीप्रेम, प्रकृति प्रेम, निडरता) विकसित करते हैं ।	• श्रव्य या वाच्य सामग्री का अर्थघटन । • मूल्य खोज एवं चर्चा	• छात्रों को श्रव्य या वाच्य सामग्री का अर्थघटन करने के मौके दिए जाए एवं उसमे निहित मूल्यों और जीवन कौशलो की खोज करने के अवसर प्रदान किए जाए । जैसे: ❖ ऑडियो,विडिओ निदर्शन एवं उसकी चर्चा कीजिए तथा मूल्यांकन करवाइए ।

DRAFT